क्रमांक — 559

दिनांक 22-07-15

# ज.रा.राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

शिक्षक-कार्य विवरण
(अध्यापन-अनुसन्धान-प्रशासन)

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| (क) | नाम-पद<br>विभाग | रामेश्वर नाथ द्विवेदी (सहा.प्रो.) दर्शन<br>दर्शन विभाग | | | | | दिनांक ~~20~~ 14-07-15 से 21-07-15 तक | |
| (ख) | कालांश<br>समय | 01<br>10:30-11:20 | 02<br>11:20-12:10 | 03<br>12:10-1:00 | 04<br>1:00-1:50 | 05<br>1:50-2:40 | 06<br>2:40-3:30 | 07<br>3:30-4:00 |
| (ग) | आवंटित कालांश विवरण | अनिवार्य-I पत्र आचार्य-पूर्व | शास्त्री-II सा.द. I पत्र | शास्त्री-III सा.द. I पत्र | शास्त्री-I सा.द. I पत्र | आचार्य-II सा.द. II पत्र | आचार्य-II सा.द. I पत्र | विभागीय कार्य |
| 1 | दिनांक<br>14-07-15 | न्याय दर्शन की महत्ता | ~~न्याय~~ दर्शन शास्त्र का स्वरूप एवं महत्ता | दर्शनशास्त्र की महत्ता | दर्शन की महत्ता | वेदादि शास्त्रों की महत्ता | उपनिषदशा. की महत्ता | अनुसंधान के लिए दिशा |
| 2 | 15-07-15 | न्यायदर्शन की उपयोगिता, महत्व | दर्शन के भेद | न्याय दर्शन की महत्ता | दर्शन के भेद | शंकराचार्य का जीवन वृत्त | उपनिषदों का कालक्रम | विभागीय कार्य |
| 3 | 16-07-15 | न्याय दर्शन का अन्य दर्शनों से भेद एवं समानता | आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन | विश्वनाथ का जीवन परिचय | आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन | अद्वैत शब्दार्थ | शंकराचार्य का जीवनवृत्त | छात्रों को निर्देश |
| 4 | 17-07-15 | आचार्य केशव मिश्र का जीवन चरित्र | न्याय दर्शन की उपयोगिता | प्रत्यक्ष विचार | न्याय दर्शन का महत्व | अद्वैत की व्युत्पत्ति | अद्वैत की महत्ता | अनुसंधान निर्देशन |
| 5 | 20-07-15 | प्रमा का लक्षण | विश्वनाथ का जीवन वृत्त | गुण विचार | तर्क संग्रह मंगलाचरण | वेदान्तशास्त्र की महत्ता | अद्वैत का अन्य वेदान्तों से भेद | अनुसंधान निर्देशन |
| 6 | 21-07-15 | स्मृति आदि का स्वरूप | पदार्थ स्वरूप | अनुमान का परिचय | तर्क संग्रह मंगलाचरण | वाचस्पति का जीवनवृत्त | कठोपनिषद् मंगलाचरण | विभागीय कार्य |

हस्ताक्षर विभागाध्यक्ष

राजेन्द्र प्रसाद [illegible]
22-7-15

शिक्षक हस्ताक्षर

रामेश्वर नाथ द्विवेदी
(सहा.प्रो. दर्शन)
22-07-2015